MPI-E402 द्वितीय पत्र- सांख्य–योग

समयः 3.00 घण्टे
पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई – सांख्य एवं योग– अर्थ एवं स्वरूप, सांख्य एवं योग में सम्बन्ध, मुक्ति में सांख्य एवं योग की भूमिका , मुक्ति के प्रमुख साधन–ज्ञानमार्ग(सांख्य दर्शन), योगमार्ग(योग दर्शन)।

द्वितीय इकाई – त्रिविध दुःख की अवधारणा, दुःख के मूल कारण – अविद्या एवं उसका स्वरूप, पंचक्लेश। दुःख एवं क्लेश–निवृत्ति के उपाय, दृष्ट एवं अदृष्ट उपायों की अयोग्यता, पुरूष–प्रकृति विवेक, मुक्ति।

तृतीय इकाई – पुरूष का स्वरूप, सिद्धि एवं पुरूष बहुत्व। प्रकृति का स्वरूप – त्रिगुण, प्रकृति की सिद्धि, कारणता सिद्धांत – सत्कार्यवाद, प्रकृति–विकृति– 23 तत्त्वों की उत्पत्ति (सृष्टि–प्रक्रिया), पुरूष और प्रकृति का वैधर्म्य।

चतुर्थ इकाई – पुरूष विशेष – ईश्वर की अवधारणा, योग में ईश्वर की भूमिका, कर्म एवं उसके भेद, योगान्तरायों का स्वरूप एवं उनकी निवृत्ति के उपाय, चित्त–प्रसाद के साधन।

पंचम इकाई – चित्त एवं चित्तवृत्तियाँ, वृत्ति–निरोध के साधन,– ईश्वरप्रणिधान, अभ्यास एवं वैराग्य, क्रिया योग, अष्टांग योग एवं उसके अंग। समाधि एवं उसके भेद, संयम की अवधारणा।

Paper II-SANKHYA-YOGA

Unit – I Sankhya and Yoga : Meaning and Nature, Relation brtween Sankhya and Yoga, Role of *Sankhya* and *Yoga* in Liberation,The Main means of Liberation – *Jyanmarg*(Philosophy of *Sankhya*), *Yogmarg* (Philosophy of Yoga).

Unit – II Concept of Three type of *Duhkha*, the basic cause of *Duhkha* - *Avidya* and its Nature, *Panchklesha*. The means of Removal of *Duhkha* and *Klesha*. Disqualification of *Drist* and *Adrist* means, *Purusha Prakriti Viveka*, Liberation.

Unit – III Nature of *Purusha,* To prove, Plurality of *Purusha*. The Form of Nature– *Trigunas*, To prove of *Prakriti*, Causal Theory- *Satkaryavada, Prakriti-Vikriti* – Origin of 23 elements (Creation Process), *Vaidharmya* of *Prakriti* and *Purusha.*

Unit – IV *Purusha Vishesha* – Concept of God, Role of God in *Yoga*, *Karma* and its Kinds, nature of *Yogantraya* and means of those Removals, The means of *Chitta-Prashada*.

Unit – V *Chitta* and *chittavrittiyan*, Means of *Vrittinirodha* – *Iswarapranidhana*, *Abhyasa-Vairagya, Kriyayoga, Astang Yoga* and Its parts. *Samadhi* and its kinds, Concept of *Sanyama*.

संदर्भ ग्रन्थ सूची : –

1. योगदर्शनम् – स्वामी सत्यपति परिव्राजक
2. सांख्य तत्त्व कौमुदी – वाचस्पति मिश्र0 हिन्दी अनु0 रमाशंकर भट्टाचार्य
3. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य (अनु0 प्रो0 उमाशंकर शर्मा)
4. योगदर्शन – डॉ0 सम्पूर्णानन्द
5. सांख्यदर्शनम् – आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. Sankhyakarikan of Iswarakrishna – S.S. Suryanarayan Shastri
7. Classical Sãnkhya : A cirtical study – Anima Sengupta
8. Patanjali's yogesutras – M.N. Dvivedi
9. The study of Patanjali – S.N. Dasgupta
10. The Synthesis of Yoga – Shri Aurobindo.